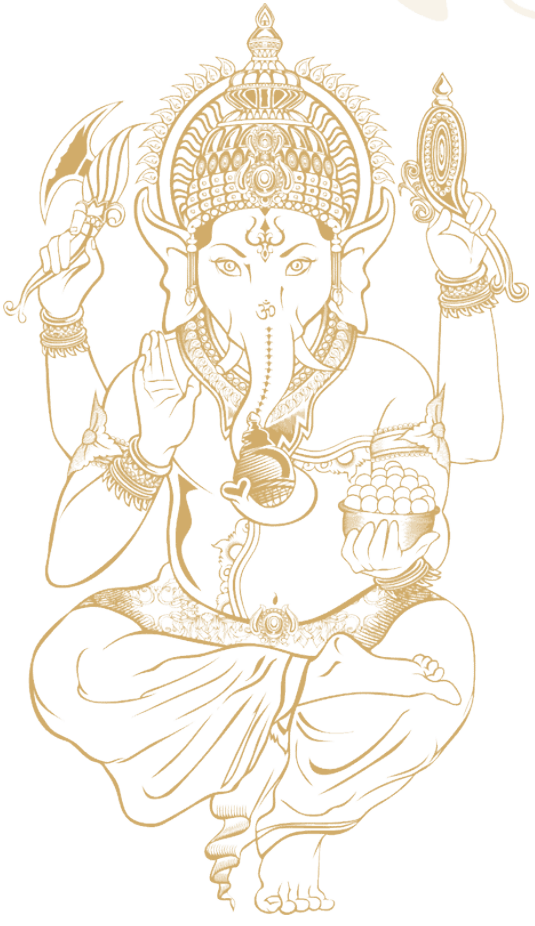

Mr.pawan Nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120183202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/03/2002	जन्म तिथि	26-27/01/2003
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 20:13:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 32:58:18	जन्म समय(घटी)	56:27:40 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Khachrod
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	23:25:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:40	सूर्योदय	07:11:24
18:37:51	सूर्यास्त	18:11:04
23:52:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 5मा 16दि		08:54:40	कन्या	लग्न	धनु	23:07:38	शनि 17वर्ष 5मा 21दि	
राहु		16:57:06	कुंभ	सूर्य	मक	12:44:29	बुध	
16/08/2012		18:43:08	कन्या	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	19/07/2020	
17/08/2030		06:06:23	मेष	मंगल	वृश्चि	12:26:44	19/07/2037	
राहु	29/04/2015	21:32:53	मक	बुध	धनु	19:22:11	बुध	16/12/2022
गुरु	22/09/2017	11:44:27	मिथु व	गुरु व	कर्क	20:03:02	केतु	13/12/2023
शनि	29/07/2020	28:04:16	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र	13/10/2026
बुध	15/02/2023	14:35:01	वृष	शनि व	वृष	28:52:28	सूर्य	19/08/2027
केतु	05/03/2024	29:46:45	वृष व	राहु	वृष	13:02:37	चन्द्र	18/01/2029
शुक्र	06/03/2027	29:46:45	वृश्चि व	केतु	वृश्चि	13:02:37	मंगल	15/01/2030
सूर्य	28/01/2028	01:50:55	कुंभ	हर्ष	कुंभ	03:40:09	राहु	03/08/2032
चन्द्र	29/07/2029	15:44:54	मक	नेप	मक	16:37:01	गुरु	09/11/2034
मंगल	17/08/2030	23:38:38	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	शनि	19/07/2037

लग्न-चलित

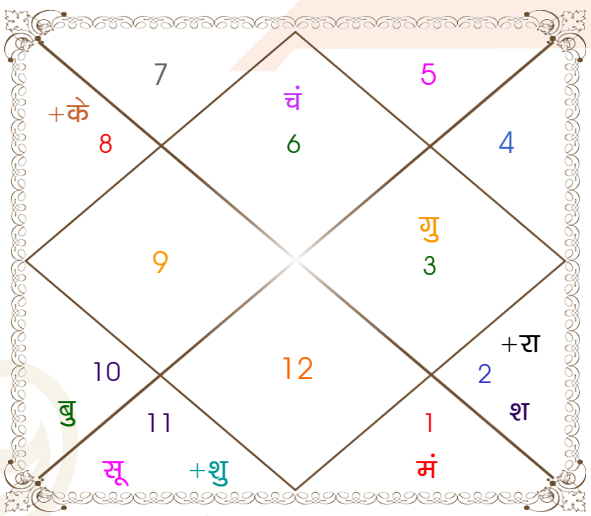

लग्न-चलित

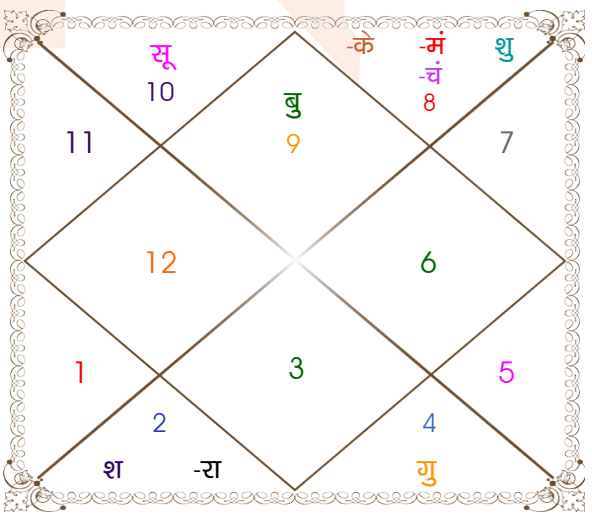

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr.pawan का वर्ग श्वान है तथा Nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.pawan और Nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.pawan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Nivedita कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.pawan तथा Nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।